

अग्निशमन व आणीबाणी सेवा विभाग
महानगर पालिका अमरावती

ON GOING PROJECTS
नागरीकांना उपयोगी अहवाल / माहिती
आग से सुरक्षा - आग से बचाव

- १) इस्तेमाल के बाद विद्युत उपकरणों को बंद करे करें और सॉकेट से प्लग निकाल लें। टूटे प्लग तथा स्विच तत्काल बदल दें।
- २) हीटर को बंद करने के बाद इसका प्लग निकाल दें।
- ३) आग से बचाव के लिए फ्यूज तथा स्विच मैटेलिक क्युबिकल्स लगाए।
- ४) बिजली के तारों को गर्म तथा गीली सतह से दुर रखे।
- ५) घर से लम्बे समय तक बाहर रहने पर मेन स्विच को ऑफ कर दें।
- ६) अच्छी क्वाॅलीटी एवं सही रेटिंग वाले फ्यूज - मिनिघेघर सर्किट ब्रेकर्स तथा अर्थ लीकेज सर्किट ब्रेकर्स इस्तेमाल करें।
- ७) भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा प्रमाणित उपकरणों का उपयोग करें।
- ८) स्कुल, मॉल, उंची इमारतों तथा समुदायों में अग्निशमन अभ्यास का नियमित रूप से आयोजन करें ताकि किसी प्रकार की आपातस्थिती की लिए रास्तों को खाली कराया जा सके।
- ९) स्कुल, मॉल, उंची इमारतों तथा समुदायों में अग्निशमन अभ्यास का नियमित रूप से आयोजन करें ताकि किसी प्रकार की आपातस्थिती के लिए रास्तों को खाली कराया जा सके।
- १०) निकास द्वार के संकेतों को स्पष्ट रूप से दर्शाएं।
- ११) अधिक जानकारी तथा प्रशिक्षण के लिये नजदीकी अग्निशमन केंद्र से सम्पर्क करे।
- १२) अधिक जानकारी तथा प्रशिक्षण के लिए नजदीकी अग्निशमन केंद्र से सम्पर्क करें।
- १३) आग लगने पर अथवा किसी अन्य आपातस्थिती में बचाव मार्गों की योजना बनाएं।
- १४) माचिस से खिलवाड न करें, इसके जलने से धमाका हो सकता है।

- 3) प्रयोग में लाए जा चुकी / बुझ चुकी फुलझड़ियों, रॉकेटों जैसी आतिशबाजी सामग्री को हमेशा ही पाणी की बाल्टी या सुखी रेत में डाल दें।
- 4) थोड़ी दूर से और अपने चेहरे को अलग हटाकर पटाखें जलाएं।
- 5) उड़ते हुए पटाखों को घर के भीतर आने से रोकने लिए अपने घर की खिड़कियों और दरवाजे को ठीक से बंद कर दें।
- 6) केवल मानक तरीके से बनाए गए पटाखों का ही उपयोग करें।
- 7) बच्चे जब पटाखे चलायें तब किसी बड़े का वहाँ उपस्थित रहना आवश्यक है।
- 8) खुले मैदानों और खुले स्थानों पर पटाखे चलाना सुरक्षित है। घास फुस से बने घरों और घास- फुस के ढेरों के पास रॉकेट, फ्लॉवर पॉट्स और अन्य उड़ने वाले पटाखे नहीं छोड़ने चाहिए।
- 9) फुलझड़ी जैसे पटाखे को शरीर से अलग हटाकर जलाना चाहिए।
- 10) पटाखे चलाते समय कसे हुए सूती वस्त्र पहनें।
- 11) सुरक्षा के लिए जूता, चश्मा पहनें।
- 12) पटाखे चलाते समय बड़े लोगों, बच्चों और महिलाओं का ध्यान रखें।
- 13) यदि दुर्घटनावश आप जल जायें तो जेले हुए स्थान पर तब तक ठंडा पाणी डालते रहिए जब तक दर्द कम नहीं हो जाये और डॉक्टर को दिखायें।
- 14) जरूरत पड़ने पर स्थानीय फायर ब्रिगेड की सहायता लें।

संकल्पना

प्र. अग्निशमन अधीक्षक
अग्निशमन विभाग
अमरावती महानगरपालिका, अमरावती
मो. नं. ७०३०९२२८६९

- १५) पटाखे लापरवाही से न जलाएं, इससे जान भी जा सकती है। इन्हें घर के किसी बड़े व्यक्ति की देखरेख में जलाएं।
- १६) बिजली से आग लगने पर पानी का उपयोग न करें। उपयुक्त अग्निशमन का इस्तेमाल करें।
- १७) यदि गैस लीक हो रही हो तो बिजली के स्विच ऑन या ऑफ न करें। इससे स्पार्क होने से आग लग सकती है। गैस लीक होने की स्थिति में सभी दरवाजे तथा खिड़कीया खोल दें और धैर्यपूर्वक सिलींडर को घर बाहर खुल स्थान पर ले जाएं।
- १८) बिजली की तारों को कारपेट, मैट अथवा डोरवे में नीचे न बिछाएं। पैरों के नीचे कुचलने से इनमें शार्ट सर्किट होने का खतरा हो जाता है।
- १९) बाहर निकलने के रास्तों तथा सीढ़ीया में सामान रखकर रुकावट पैदा न करें।
- २०) आग लगने पर लिफ्ट का उपयोग न करें। सीढ़ियों का इस्तमोल करना बेहतर है।
- २१) हीटर को बिना किसी देखरेख अथवा रात को सोते समय चालू न रखें।
- २२) हीटर को ज्वलनशिल वस्तुओं के तीन फुट के दायरे में न रखें।
- २३) बिजली की तारों को दीवारों पर किल से न ठोके अथवा इनका इंसुलेशन न छीलें
- २४) एश ट्रे में जलती सिगरेट न छोड़ें।

पटाखों से सुरक्षा

दिवाली, शादी और अन्य शुभ अवसरों पर आतिशबाजी की परम्परा है और ऐसा करना इन समारोहों का अभिन्न अंग है। लेकिन कई मामलों में सुरक्षा संबंधी सावधानियां बरते बगैर अंधाधुंध पटाखे चलाने से शुभ अवसर गमगीन अवसर में बदल जाते हैं और हसी की जगह आंसू ले लेते हैं। कुछ सावधानियां और सुरक्षा संबंधी सतर्कता बरतने मात्र से इस प्रकार की दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है और समारोह को और अधिक खुशनुमा और आनंददायक बनाया जा सकता है। आतिशबाजी करने और आतिशबाजी का सामान/ पटाखे की दुकान चलाते समय नीचे दी गई सुरक्षा संबंधी कुछ सतर्कताएं बरतनी चाहिए।

क्या करें :-

- १) आतिशबाजी के सामान पर लिखे, अग्नि सुरक्षा अनुदेशों और सावधानियों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
- २) पटाखे चलाते समय हमेशा एक बाल्टी पानी और थोड़ा सा रेत पास में रखें।